अमर उजाला 28/04/2023

नशे की गिरफ्त से बचना है तो युवा रहें सजग

जीएमएन कॉलेज में नशामुक्त हरियाणा अभियान के तहत संवाद कार्यक्रम का आयोजन, वक्ताओं ने रखे विचार

जागरुकता संगोष्ठी में शपथ ग्रहण करते शिक्षक व अन्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी,

अंबाला। अंबाला छावनी स्थित जीएमएन कॉलेज में वीरवार को अमर उजाला अभियान में नशामुक्त हरियाणा मुहिम पर संवाद कार्यक्रम किया गया। जिसमें शिक्षाविद, समाजसेवी और कॉलेज के प्रिंसिपल व प्रोफेसर ने नशामुक्ति के समाधान पर अपने विचार रखे।

सभी ने नशामुक्ति के लिए विचार रखे। उन्होंने स्कूल, कॉलेज और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की, साथ ही अभिभावकों को भी सजग रहकर अपने बच्चों का पालन पोषण करने के लिए आग्रह किया।

मुहिम के तहत अपने संदेश से कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. रोहित दत्त, एंटी नारकोटिक्स विभाग से इंचार्ज सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार, रोटरी क्लब अंबाला औद्योगिक त्रेत्र एरिया से प्रधान नीलम शर्मा, डायरेक्टर क्लब सर्विसेज से अशोक शर्मा, पूर्व अध्यक्ष डीपी गुलाटी ने नशा को लेकर जागरुक किया। मंच संचालन हिंदी विभाग से डॉ. अनीश कुमार ने किया।

अपने बच्चों के साथ समय करें साझा

अनिल सैनी ने बताया कि नशे की रोक के लिए स्कूल और परिवार का योगदान जरूरी है। माता-पिता को जागरूक रहना जरूरी है। अपने बच्चों के साथ समय व्यतीत करें। युवाओं से अपील की कि अगर कोई युवा नशा करता है तो उसके माता-पिता को जरूर बताएं।

अभिभावक अपने बच्चों पर रखें नजर

शशि गुलाटी ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों के स्कूल से आने के बाद बैग चेक करें। अगर बच्चा घर लेट आ रहा है तो उसके दोस्तों व उनके परिवार से संपर्क करें ताकि पता चल सके कि उनका बच्चा क्या कर रहा है। बच्चों पर नजर रखनी जरूरी है।

नशे के खिलाफ जागरुकता जरूरी

प्रो. डॉ. चंद्रपाल पुनिया ने कहा कि शहर से लेकर गांव तक नशा फैल गया है। स्कूल से ही नशे को लेकर अवेयरनेस हो। स्कूल में रॉटिंग प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक से जागरूकता होनी चाहिए। नशे से बचने के लिए पढ़ाई में ध्यान लगाएं, खेलों में हिस्सा लें।

बिना पर्चा दवा विक्रेता न दें दवाएं : रोहित

कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि नशे पर सरकार को एक जैसी पॉलिसी लागू करनी होगी। आजकल माता-पिता अपनी नौकरी में व्यस्त रहते हैं। सरकार ऐसा कानून भी बनाएं, जिससे कि अगर बच्चा नशा करता है तो माता-पिता को भी कानून के तहत जिम्मेदार माना जाए। नशा रोकना जरूरी है। केमिस्ट व फार्मासिस्ट भी 15 से 20 के बच्चे को नशे संबंधित दवाईयां न दें। प्रयास करेंगे तो सभी को जागरूक कर पाएंगे।

नशा पकड़वाने में करें मदद, विनोद कुमार

एंटी नारकोटिक्स विभाग इंचार्ज सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने नशे के खिलाफ मुहिम चलाई है। इस मुहिम के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा पकड़ा है। 2022 की बात करें तो काफी नशा पकड़ा गया है। इन मामलों में 180 आरोपी भी पकड़े गए। 2023 में भी 60 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें 80 आरोपी पकड़े गए। उन्होंने नशा पकड़वाने के लिए लोगों से सहयोग मांगा।

नशे पर रोकथाम के लिए दें साथ

डायरेक्टर क्लब सर्विस अशोक कुमार ने बताया कि आजकल के युवाओं को मोबाइल से फुर्सत नहीं है। हम परिवार में रहते हुए भी एक-दूसरे के साथ नहीं होते। हमें नशे पर लगाम लगाने के लिए एक साथ मिलकर चलना होगा। केमिस्ट व फार्मासिस्ट को भी बिना डॉक्टर की अनुमति के दवाईयां नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह गृहमंत्री अनिल विज से भी मिलकर आग्रह करेंगे कि बिना डॉक्टर की अनुमति के दवाई देने वाले केमिस्ट व फार्मासिस्ट पर भी लगाम लगाई जाए।

खुद को आइडल बनना होगा

डॉ. धर्मवीर सैनी ने बताया कि समाज से नशे को खत्म करने के लिए खुद को आइडल बनना होगा। हमें खुद से शुरुआत करनी होगी और नशा छुड़वाने के लिए चेन बनाकर एक दूसरे को जागरूक करना होगा। जिससे वे अपने घर और आसपास के लोगों को दूर रहने के लिए प्रेरित कर सकें।

मिलकर करना होगा काम

चांद चावला ने बताया कि अपना ध्यान सकारात्मक विचारों में लगाएंगे तो स्वस्थ रहने के साथ-साथ नशे से भी दूर रहेंगे। सभी को नशे से जागरुकता के लिए मिलकर काम करना होगा, तभी हम नशे पर लगाम लगा पाएंगे। नशा करने से भविष्य खराब हो जाता है।

फिजिकल एजुकेशन जरूरी

फिजिकल एजुकेशन विभाग से डॉ. बृजेश कुमार ने बताया कि जो युवा नशा करता है, उसके हाव-भाव से पता चल जाता है। फिजिकल एजुकेशन नशे के प्रति जागरूकता के लिए एक अहम रोल अदा कर सकता है। हमें स्कूल में शिक्षा के दौरान ही बच्चों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

पुलिस को लगानी होगी लगाम

राजनीति शास्त्र विभाग से विशाल तनेजा ने बताया कि आजकल कई ऐसे नशा मुक्ति केंद्र है जोकि नशा छुड़वाने के नाम पर पैसा कमाने का साधन बन गए हैं। इन पर पुलिस को लगाम लगानी होगी। उन्होंने एंटी नारकोटिक्स इंचार्ज विनोद कुमार से एनडीपीसी एक्ट के संबंध में जानकारी भी ली है।

घरों से हो जागरुकता की शुरुआत

हिंदी विभाग से डॉ. अनीश कुमार ने कहा कि नशा जागरुकता के लिए पहली शुरुआत घरों से होनी चाहिए। उन्होंने सूरदास की विभिन्न पक्तियों से नशे के प्रति जागरुकता पर प्रकाश डाला और इसके लिए कई उदाहरण भी दिए। उन्होंने कहा कि परिवार का माहौल स्वस्थ होना चाहिए। बच्चे जैसे देखेंगे, वैसा करेंगे। माता-पिता को बच्चों की आदतों पर खास ध्यान रखना चाहिए।

दूसरों को भी करें जागरुक

प्रयास संस्था से ऋषिपाल ने कहा कि नशे से समाज बर्बाद हो रहा है। युवाओं को नशे से बचाओगे तो देश बचेगा। नशा बुरी चीज है। इसमें कुछ नहीं बचता। नशा पूरे परिवार को खत्म कर देता है। हम यह जानकारी दूसरों को दें तो जागरूकता आएगी।

नशा करना है तो हरिनाम का करो : नीलम शर्मा

रोटरी क्लब अंबाला औद्योगिक क्षेत्र की प्रधान नीलम शर्मा ने बताया कि उन्हें विभिन्न गांव में भी जाने का मौका मिलता है। उन्होंने युवाओं को नशा न करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगर नशा करना ही है तो हरि नाम का करो। रात में नशा किया तो वह सुबह तक उतर जाएगा, मगर हरिनाम का नशा कभी नहीं उतरता।

रोजाना व्यायाम तो नशे से रहेंगे दूर

डॉ. कुलदीप यादव ने कहा कि युवाओं को स्वस्थ रहने के लिए नशे से दूर रहकर रोजाना योग और सैर करने पर ध्यान देना चाहिए। अगर अपना ध्यान सकारात्मक विचारों में लगाएंगे तो स्वस्थ रहने के साथ-साथ नशे से भी दूर रहेंगे।